माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान

पाठ्यक्रम परीक्षा 2023

समाजशास्त्र SOCIOLOGY

विषय कोड (SUB.CODE)–29

कक्षा–12

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	80	20	100

भाग–1 भारतीय समाज INDIAN SOCIETY

अध्याय–1 भारतीय समाज एक परिचय (मूल्याँकन में सम्मिलित नहीं)

उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, वर्ग और समुदाय, लैंगिक असमानता, सामाजीकरण

Introducing Indian Society, Colonialism, Nationalism, Class and Community, Gender Inequality, Socilization.

अध्याय–2 भारतीय समाज की जनसांख्यिकीय संरचना। **7**

जनसांख्यिकी, जनसांख्यिकी में सिद्धांत और अवधारणाएंः माल्थस का जनसंख्या वृद्धि सिद्धांत, जनसांख्यिकीय संक्रमण,सामान्य संकल्पनाएँ एवं संकेतक, भारत की जनसंख्या का आकार और संवृद्धि दर, जन्म दर, मृत्यु दर, प्रजनन दर, शिशु मृत्यु दर, भारतीय जनसंख्या की आयु संरचना, आयु सम्भावितः, पराश्रितता अनुपात, भारत में गिरता हुआ स्त्री–पुरुष अनुपात,साक्षरता, ग्रामीण–नगरीय विभिन्नताएं, भारत की जनसंख्या नीति

The Demographic Structure of Indian Society.

Chapter-2. Demographic, Demographic Theories and concepts in demography : Malthus's Population Growth Theory, Demographic Transitions, General Concepts and Indicators, India's Population Size and Growth Rate, Birth Rate, Death Rate, Fertility Rate, Infant Mortality, Indian Population Age Structure, Age Possibillity, Dependency Ratio, Falling Gender Ratio in India, Literacy, Rural-Urban Divisions, Population Policy in India

अध्याय–3 सामाजिक संस्थाएँ निरंतरता और परिवर्तन। **6**

जाति और जाति व्यवस्था, वर्ण, उपनिवेशवाद और जाति, जाति का समकालीन रूप, जनजातीय समुदाय वर्गीकरण, परिवार और नातेदारी, संस्कृतिकरण, प्रबल जाति

Social Institutions: Continuity and Change: Caste and caste system, Varna, colonialism and caste, contemporary form of caste, Trible Communites Classification, family and kinship, Sanskritisation Dominant Caste.

अध्याय–4. बाजार एक सामाजिक संस्था के रूप में। **6**

बाजारों और अर्थव्यवस्था पर समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य, साप्ताहिक आदिवासी बाजार, पूर्व उपनिवेशक और उपनिवेशक भारत में जाति आधारित बाजार,पूंजीवाद को एक सामाजिक व्यवस्था के रूप में समझना भुमण्डलीकरण –स्थानीय, क्षेत्रीय,राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों का गठजोड़, उदारवादिता।

The Market as a Social Institution.

Sociological Perspectives on Markets and The Weekly Tribal market caste Based Market and trading network in Pre Colonial and Colonial India, Economy, Understanding Capitalism as a Social System, Globalization-Local, regional, national and international markets, Liberalisation.

अध्याय–5. सामाजिक विषमता एवं बहिष्कार के स्वरूप। 7

सामाजिक विषमता सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक बहिष्कार ,अस्पृश्यता , जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग आदिवासी संघर्ष, महिलाओं की समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष, अन्यथा सक्षम व्यक्तियों का संघर्ष।

Patterns of Social Inequality and Exclusion.

Social Inequality Social Stratification and Social Exclusion. Untouchability, Caste, Tribe, the Other Backward Classes Adivasi Struggles. The Struggle for Women's Equality and Rights. The struggles of the Differently Abled/Disabled.

अध्याय 6. सांस्कृतिक विविधता की चुनौतियाँ विविधता। 7

सांस्कृतिक समुदाय राष्ट्र और राष्ट्र राज्य, भारतीय संदर्भ में क्षेत्रवाद, राष्ट्र, राज्य, और धर्म संबंधी मुद्दे और पहचान, अल्पसंख्यकों को अधिकार और राष्ट्र निर्माण, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र राज्य,राज्य और नागरिक समाज,

Diversity The Challenges of Cultural Diversity.

Cultural communities Nation and the nation state. Regionalism in the Indian context. The Nation, state and religion related issues and identities. Minority Right and Nation Building Communalism, secularism and the nation state. State and Civil Society.

अध्याय 7 परियोजना कार्य के लिए सुझाव (मूल्याँकन में सम्मिलित नहीं)

शोध पद्धतियों की बहुलता , छोटी शोध परियोजनाओं के लिए संभावित प्रकरण एवं विषय।

Project work suggestions (Non evaluative)

Multiplicity of research methods, potential cases and topics for small research projects

भाग–2 भारतीय समाज में परिवर्तन और विकास

CHANGE AND DEVELOPMENT IN INDIAN SOCIETY

अध्याय 7. संरचनात्मक परिवर्तन, पूंजीवाद 6

उपनिवेशवाद की समझ पूंजीवाद, भारत में नगरीकरण और औद्योगीकरण, स्वतन्त्र भारत में औद्योगीकरण, स्वतन्त्र भारत में नगरीकरण

Structural Change

Understanding Colonialism, Capitalism, Industrialization and Urbanization in India, Industrialisation in Independent India, Urbanisation In Independent India.

अध्याय 8. सांस्कृतिक परिवर्तन 6

उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी सामाजिक सुधार आंदोलन, संस्कृतीकरण,आधुनिकीकरण,पंथनिरपेक्षीकरण और पश्चिमीकरण को समझना, सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न प्रकार

Cultural Change

social reform movements in the 19th and early 20th century. Understanding Sanskritisation, Modernization, Secularization and Westernization, Different types of social change.

अध्याय 9. भारतीय लोकतंत्र की कहानियाँ 6

भारतीय संविधान, हित प्रतिस्पर्धी संविधान और सामाजिक परिवर्तन, संवैधानिक मानदंड और सामाजिक न्याय : सामाजिक न्याय सशक्तता की व्याख्या, पंचायती राज और सामाजिक परिवर्तन की चुनौतियाँ, पंचायतों की शक्तियाँ और उत्तरदायित्व, जनजातिय क्षेत्रों में पंचायती राज, लोकतंत्रीकरण और असमानता, राजनीतिक दल, दबाव समूह और लोकतांत्रिक राजनीति।

The Story of Indian Democracy

Indian Constitution, Competing Interest The Constitution and Social Change, Constitutional Norms and Social Justice: Interpretation of Social Justice Empowerment, Challenges of Panchayati Raj and Social Change, Powers and Responsibilities of Panchayats, Panchayati Raj in Tribal Areas Democratisation and Inequality, Political Parties, Pressure Group and democratic politics.

अध्याय 10. ग्रामीण समाज में विकास एवं परिवर्तन 6

कृषि संरचनाः ग्रामीण भारत में जाति और वर्ग, भूमि सुधार, हरित क्रांति, हरित क्रांति और इसके सामाजिक परिणाम, स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण समाज में परिवर्तन, मजदूरों का संचार, वैश्वीकरण, उदारीकरण और ग्रामीण समाज।

Change and Development in Rural Society

Agrarian Structure : Caste & class in Rural India. Land Reforms, Green revolution and its social consequences. Transformation in Rural Society. After independence Circulation of labour. Globalization, Liberalization and Rural Society.

अध्याय 11. औद्योगिक समाज में परिवर्तन और विकास 6

औद्योगिक समाज की कल्पना,भारत में औद्योगीकरण,रोजगार के अवसर है, कार्यावस्थाएं, घर आधारित काम, हड़तालें एवं मजदूर संघ।

Change and Development in Industrial Society

Images of industrial society, industrialisation in India, Employment opportunities working conditions, Home Based work strikes and trade unions.

अध्याय 12. भूमण्डलीकरण और सामाजिक परिवर्तन 5

भूमण्डलीकरण को समझना, उपनिवेशवाद और भूमण्डीलय संयोजन, भूमण्डलीकरण के आयामः आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, भूमण्डीलय संचार, भूमण्डलीकरण और श्रम

Globalisation and Social Change

Understanding globalisation, Colonialism and The Global Connection Dimensions of Globalization : Economic, Political, Cultural, Global Communications, Globalisation and Labour, Globalisation and Culture.

अध्याय 13. जन संपर्क साधन और जनसंचार 6

रेडियो, टेलीविजन और प्रिंट मीडिया। आधुनिक मास मीडिया का प्रारंभ, स्वतंत्र भारत में मास मीडिया की बदलती प्रकृति,वैश्वीकरण और मीडिया, जनसम्पर्क व जनसम्पर्क के विभिन्न माध्यम

Mass Media and Communications

Radio television and print media, Variety of mass India, The begininngs of Modern mass media changing nature of media in Independent India. Globalisation and the media. media and variety of mass media

अध्याय 14. सामाजिक आंदोलन 6

सामाजिक आंदोलनों की अवधारणा, समाजशास्त्र तथा सामाजिक आन्दोलन सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांत और वर्गीकरण,पारिस्थितिकीय आंदोलन,वर्ग–आधारित आंदोलन श्रमिक, किसान, जाति आधारित आन्दोलन, महिलाओं का आन्दोलन।

Social Movements

Concept of Social Movements. Sociology and Social Movements Theories and Classification of Social Movements, Ecological Movements. Class-Based Movements: Workers, Peasants, The Women's movements.

विशेष निर्देश–

1. सत्रााांक के 20 अंकों में से 5 अंक प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्धारित है।
2. प्रोजेक्ट समाजशास्त्र विषय में सम्मिलित इकाईयों के आधार पर स्थानीय परिस्थिति के अनुसार तैयार कराया जाये।
3. प्रोजेक्ट प्रतिवेदन के मुख्य बिन्दु निम्नानुसार बनाये जा सकते हैं–

   शीर्षक,,प्रोजेक्ट चयन का उद्देश्य, प्रोजेक्ट की रूपरेखा व परिसीमाएँ , आवश्यक सामग्री,कार्य विधि, तथ्यों का संकलन,वर्गीकरण, सारणीयन व विश्लेषण, निष्कर्ष/मूल्यांकन ,उपयोगिता ,संदर्भ सूची
4. प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के निम्नांकित आधार बिन्दु हो सकते हैं –

   शीर्षक का चयन एवं आवश्यकता,रूपरेखा एव क्रियान्वयन ;प्रयोग, सर्वेक्षण, केस स्टडी, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, भ्रमण प्रतिवेदन, संकलन, साक्षात्कार आदि। प्रोजेक्ट निष्कर्ष एवं भाषा की उपयुक्तता। प्रोजेक्ट का मूल्यांकन समाजशास्त्र शिक्षक से ही करायें जिसने स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विषय में किया हुआ हो।

निर्धारित पुस्तकें -

1. भारतीय समाज – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

   Indian Society - NCERT's Book Published under Copyright
2. भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

   Social Change and Development in India - NCERT's Book Published under Copyright